भा.कृ.अनु.प.– केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान, करनाल में हिन्दी पखवाडे का शुभारंभ।

केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान, करनाल में आयोजित किए जा रहे हिन्दी पखवाड़े का शुभारंभ मुख्य अतिथि डा॰ राजन लाम्बा, प्रिसिंपल, टैगोर बाल निकेतन उच्च माध्यमिक विद्यालय, करनाल ने दीप प्रज्जवलित करके किया। हिन्दी पखवाड़ा समिति की अध्यक्षा डा॰ मधु चौधरी ने हिन्दी के महत्व को बताते हुए राजभाषा के नियमों व अधिनियमों की विस्तृत जानकारी दी तथा हिन्दी पखवाड़ा के दौरान आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों व प्रतियोगिताओं का विस्तृत विवरण दिया।

हिन्दी पखवाड़ा उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि डा॰ राजन लाम्बा ने इस संस्थान में हिन्दी में हो रहे कार्य की सराहना की और उन्होनें कहा कि हिन्दी पखवाडे के दौरान हिन्दी भाषा का अधिक से अधिक संचार एवं प्रसार होता है। मॉ, मातृभाषा, मातृभुमि का कोई विकल्प नहीं है। हमारे देश में 97 प्रतिशत लोग हिन्दी या क्षेत्रीय भाषा बोलते है जबकि अंग्रेजी केवल तीन प्रतिशत लोग ही बोल पाते है। हिन्दी वो भाषा है जो हमें जोडकर रखती है सुपर 30 संस्थान जोकि आई.आई. टी. का कोचिंग संस्थान है वहां पर फिजिक्स हिन्दी में पढाई जाती है। हिन्दी का पुराना नाम पाली है। जर्मनी व इटली इत्यादि देशों में अंग्रेजी का प्रयोग कम होता है तथा उनकी मातृ भाषा का प्रयोग अधिक होता है। आज हम अंग्रेजी के शब्द प्रयोग बिना लिख या बोल नही सकते। हमें अपनी भाषा में मुहावरों का प्रयोग भी करना चाहिए। आज हम माता–पिता व शिक्षक के रूप में अपनी नई पीढ़ी को हिन्दी ठीक से नही सीखा पा रहे हैं। अगर हम आने वाली पीढ़ी को बेहतर देखने चाहते हैं तो हमें बेहतर उदाहरण स्वयं बनना होगा। उन्होंने आहवान किया कि हमें भी हिन्दी का प्रयोग अधिक से अधिक करना चाहिए।

इससे पूर्व संस्थान के निदेशक तथा समारोह के अध्यक्ष डा॰ प्रबोध चन्द्र शर्मा ने मुख्य अतिथि को पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया और बताया कि स्वतंत्रता के प्राप्ति के पश्चात 14 सितम्बर, 1949 को यह निर्णय लिया गया था कि राज–काज में अंग्रेजी भाषा का प्रयोग 15 वर्ष तक होगा उसके बाद केवल हिंदी राज–काज की भाषा होगी लेकिन विरोध के कारण यह निर्णय लागू नही हो पाया। आज गूगल व याहू आदि वेबसाइटों में हिन्दी का प्रयोग बढ़ रहा है। सरकार ने आत्मनिर्भर भारत का नारा दिया है उसमें यह बात आती है की हमारी सोच हिन्दी में होनी चाहिए। सोशल मिडिया में हिन्दी का भरपूर प्रयोग हो रहा है। इससे हमारा हिन्दी का ज्ञान बड रहा है। भारतीय नेता विदेशों में जाकर विश्व मंच पर हिन्दी में भाषण देते है। उन्होने आहवान किया कि हमें अपने दैनिक कार्य हिंदी में अधिक से अधिक करने चाहिए। हिंदी एक वैज्ञानिक तथा सरल भाषा है इसलिए इसका अधिक से अधिक प्रयोग करना चाहिए। कोनवेंट स्कूल की प्रध्यापिका श्रीमति नीना शर्मा ने कहा की हिन्दी एक महान भाषा है जो कि उंच नीच का भेदभाव समाप्त करके सभी को बराबर बनाती है हमें अग्रेंजी के साथ हिन्दी का भी पूर्ण ज्ञान होना चाहिए।

इस अवसर पर श्रीमती बिमला रोहिल, सभी प्रभागाध्यक्ष, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी श्री आलोक कुमार, जनसंपर्क अधिकारी श्री अनिल कुमार शर्मा व संस्थान के समस्त वैज्ञानिक, अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे। मंच संचालन डा॰ मधु चौधरी ने किया तथा श्री आलोक कुमार जी ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। इस अवसर पर कविता पाठ प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया।